भजन

ये जिमी जहर सी लगती है,तेरे इश्क बिना
फिर तेरे इश्क में,सराबोर हों मौका दे दे

1– अपनी रूहों को रखा तहत कबाए तूने
खेल में करके जुदा अश्क छिपाए तूने
हंस के करो बात यूं मिलाप का मौका दे दे

2–चरण तेरे हैं जहां मेरा ठिकाना है वहां
हुकम पे तेरे सदा रहती हैं अंगनायें फना
मैं हूँ तैयार मेरे एतबार को मौका दे दे

3–माया में क्या–2 हुई हमपे जलालत सुनलो
कलकलाती हुई रूहों की तुम हालत सुन लो
रूबरू हो के इजहार का मौका दे दे